पूर्वोत्तर भारत में पर्यावरणीय चुनौतियाँ

प्रलिम्सि के लयि:

जनहति याचकिा, मेघालय जल नकिाय (सुरक्षा और संरक्षण) दशिा-नरि्देश, 2023, गारो-खासी-जयंतयिा पहाड़यिाँ, संवधिान की छठी अनुसूची, पूर्वोत्तर औद्योगकि वकिास योजना

मेन्स के लयि:

पूर्वोत्तर भारत में वकिास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मेघालय उच्च न्यायालय ने **उमयिम झील की सफाई बनाम मेघालय राज्य मामला, 2023** में कहा कि **"कसिी अन्य रोज़गार अवसर के अभाव में राज्य की प्राकृतकि सुंदरता को क्षतपिहुँचाया जाना सर्वथा अनुचति है"**।

- उच्च न्यायालय का यह फैसला **इस क्षेत्र की प्राकृतकि सुंदरता की सुरक्षा करते** हुए पर्यटन, बुनयिादी अवसंरचना के वकिास और नरि्माण को बढ़ावा देने की चुनौती पर प्रकाश डालता है।

पृष्ठभूमि:

- उमयिम झील की सफाई पर एक **जनहति याचकिा** मेघालय उच्च न्यायालय में काफी लंबे समय से लंबति थी।
- उमयिम झील मामला मुख्यतः **झील और जलाशय के आसपास अनयिमति नरि्माण और पर्यटन के प्रतकिूल प्रभाव** पर केंद्रति था।
- फैसला सुनाते हुए न्यायालय ने इस बात पर ज़ोर दयिा कि इस क्षेत्र की प्राकृतकि सुंदरता को नष्ट करने की कीमत पर आर्थकि वकिास कदापि नहीं होना चाहयि।
- अधकि व्यापक नयिमों की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए जल नकिायों के आसपास अनयिंत्रति नरि्माण के मुद्दे का प्रभावी रूप से हल न करने के लयि उच्च न्यायालय ने **मेघालय जल नकिाय (सुरक्षा और संरक्षण) दशिा-नरि्देश, 2023** की आलोचना की।

पूर्वोत्तर क्षेत्र की वकिासात्मक चुनौतियाँ और जैववविधिता में संबंध:

- **जैववविधिता हॉटस्पॉट:**
  - तेल, प्राकृतकि गैस, खनजि और मीठे जल जैसे **प्रचुर प्राकृतकि संसाधनों के कारण पूर्वोत्तर भारत एक हरति पट्टी** क्षेत्र है।
  - **गारो-खासी-जयंतयिा पहाड़यिाँ** और **ब्रह्मपुत्र घाटी** सबसे महत्त्वपूर्ण जैववविधिता हॉटस्पॉट में से हैं।
  - **पूर्वोत्तर भारत इंडो-बर्मा हॉटस्पॉट का एक हस्सिा है।**
- **चतिाएँ:**
  - हालाँकि पूर्वोत्तर क्षेत्र औद्योगकि रूप से पर्याप्त वकिसति नहीं है, परंतु **वनों की कटाई, बाढ़ और मौजूदा उद्योग इस क्षेत्र में पर्यावरण के लयि गंभीर समस्याएँ** पैदा कर रहे हैं।
  - **वकिास मंत्रालय द्वारा** कयि गए **पूर्वोत्तर ग्रामीण आजीवकिा परयिोजना** का एक पर्यावरणीय मूल्यांकन बताता है कि "पूर्वोत्तर भारत एक पारस्थितिकि रूप से संवेदनशील तथा जैवकि रूप से समृद्ध क्षेत्र और सीमा पार नदी बेसनि में स्थति है, जो जलवायु परविर्तन के प्रति अत्यधकि संवेदनशील है।
  - वन-कटाई, खनन, उत्खनन, स्थानांतरण खेती के कारण क्षेत्रों की वनस्पति और जीव दोनों खतरे में हैं।
- **कानूनी ढाँचा और चुनौतियाँ:**
  - संवधिान की छठी अनुसूची ज़िला परषिदों को स्वायत्तता प्रदान करती है, जो भूमि उपयोग पर राज्य के अधकिार को सीमति करता है।
    - इस **स्वायत्तता** के परणिामस्वरूप कभी-कभी **अपर्याप्त नयिमन** की स्थति उत्पन्न होती है, जैसा कि उमयिम झील के मामले में देखा गया है।
  - संवधिान के अनुच्छेद 32 और 226 के तहत जनहति याचकिाओं और न्यायकि सक्रयिता ने **पर्यावरण सुरक्षा को लागू** करने में

महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
    - राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पर्यावरणीय उल्लंघनों के लिये राज्यों पर जुर्माना लगाना पर्यावरण की सुरक्षा में कानूनी तंत्र की भूमिका को रेखांकित करता है।

पूर्वोत्तर में सतत् विकास को बढ़ावा देने हेतु किये गए प्रयास:

- **पूर्वोत्तर औद्योगिक विकास योजना:**
    - पूर्वोत्तर औद्योगिक विकास योजना **(North East Industrial Development Scheme- NEIDS),** 2017 के भीतर **'नेगेटिव लिस्ट (Negative List)'** एक सराहनीय कदम है, जो यह सुनिश्चित करती है कि पर्यावरण मानकों का पालन करने वाली संस्थाओं को प्रोत्साहन मिले।
    - यदि कोई इकाई पर्यावरण मानकों का अनुपालन नहीं कर रही है या उसके पास आवश्यक पर्यावरणीय मंज़ूरी नही है या संबंधित प्रदूषण बोर्डों की सहमति नहीं है, तो वह **NEIDS के तहत किसी भी प्रोत्साहन के लिये पात्र** नहीं होगी और उसे **'नेगेटिव लिस्ट'** में डाल दिया जाएगा।
- **एक्ट फास्ट फॉर नॉर्थ-ईस्ट:**
    - 'एक्ट फास्ट फॉर नॉर्थ-ईस्ट' नीति में न केवल "व्यापार और वाणिज्य" बल्कि इस क्षेत्र में **"पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी" का संरक्षण** भी शामिल होना चाहिये।
- **समान एवं व्यापक पर्यावरण विधान:**
    - सभी शासन स्तरों पर पर्यावरणीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिये, समान तथा व्यापक पर्यावरण विधान महत्त्वपूर्ण है।
    - इस तरह का कानून नियमों में अंतराल को कम कर देगा तथा यह सुनिश्चित करेगा कि आर्थिक विकास पर्यावरणीय स्थिरता के साथ संरेखित हो।

उमियम झील के बारे में मुख्य तथ्य:

- उमियम झील मेघालय की सबसे **बड़ी कृत्रिम झीलों** में से एक है जो शिलॉन्ग से लगभग 15 किमी. दूर स्थित है।
- यह झील एक जलाशय है जिसे **उमियम नदी (बारापानी नदी भी कहा जाता है) पर एक बाँध निर्माण परियोजना के हिस्से के रूप में बनाया** गया था।
- बाँध का निर्माण क्षेत्र के लिये **जलविद्युत ऊर्जा उत्पन्न करने हेतु** किया गया था।

//

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/environmental-challenges-in-northeast-india